



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1062]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 11, 2004/अग्रहायण 20, 1926

No. 1062]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 11, 2004/AGRAHAYANA 20, 1926

संस्कृति मंत्रालय

( भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 2004

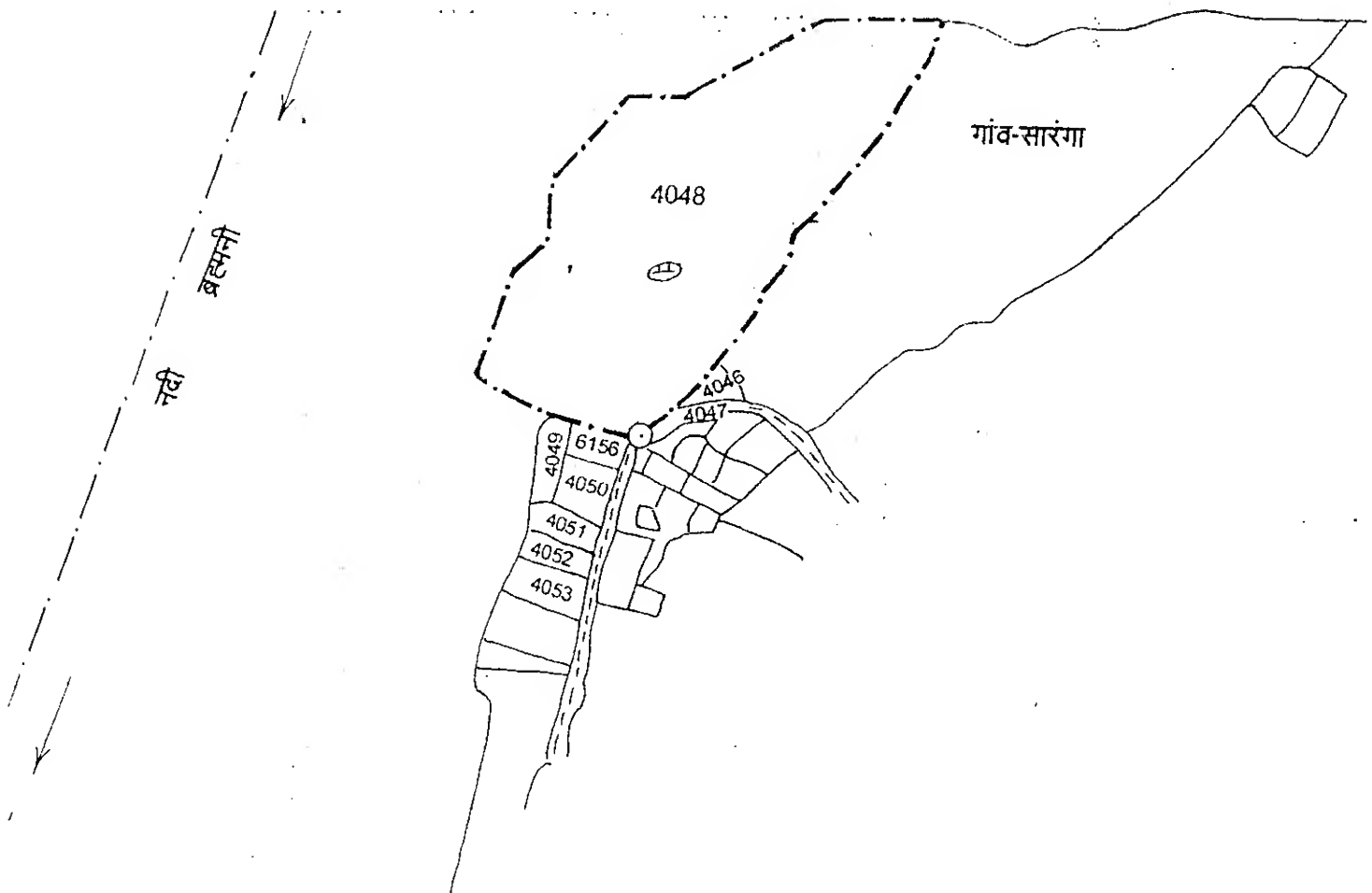
का.आ. 1361(अ).— केन्द्रीय सरकार ने, भारत का राजपत्र असाधारण भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii), दिनांक 17 फरवरी, 2004 में प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की 17 फरवरी, 2004 की अधिसूचना सं० का० आ० 215 (ई) द्वारा उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न स्थल मानचित्र तथा अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना दी थी और उक्त अधिसूचना की एक प्रतिलिपि उक्त संस्मारक के निकट सहज दृश्य स्थान पर चिपका दी गई थी; जैसा कि प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958—(1958 का 24) की धारा 4 की उप-धारा (i) में अपेक्षित है ।

और उक्त राजपत्र की प्रतियाँ 26 फरवरी, 2004 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार द्वारा की गई इस घोषणा पर जनता से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958(1958 का 24) की धारा 4 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है ।

सौजा - सारंग, शीट सं० - ५ , तहसील - पराजंग जिला - धेनकनाल, (उड़ीसा)



संरक्षण के लिए प्रस्तावित क्षेत्र : — . — . — .

## अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	स्थान	स्मारक का नाम	संरक्षित घोषित किए जाने वाला राजस्व भूखण्ड संख्या	क्षेत्र	स्वामित्व	अभ्युक्तिता
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.
उड़ीसा	धनकुशल	प्राजंग	सारंग	अनंतशायी विष्णु	4048 (खसरा-699)	7.09 एकड़	सरकारी भूमि (अनावडी)	कोई आधुनिक संरचना नहीं किसान- पायावनी प्लाट का हिस्सा कभी- कभी जलमान होता है।

[फा. सं. 2-27/92-एम/पार्ट-V]

आर. सी. मिश्र, अपर महानिदेशक एवं संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF CULTURE**  
(ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 10th December, 2004

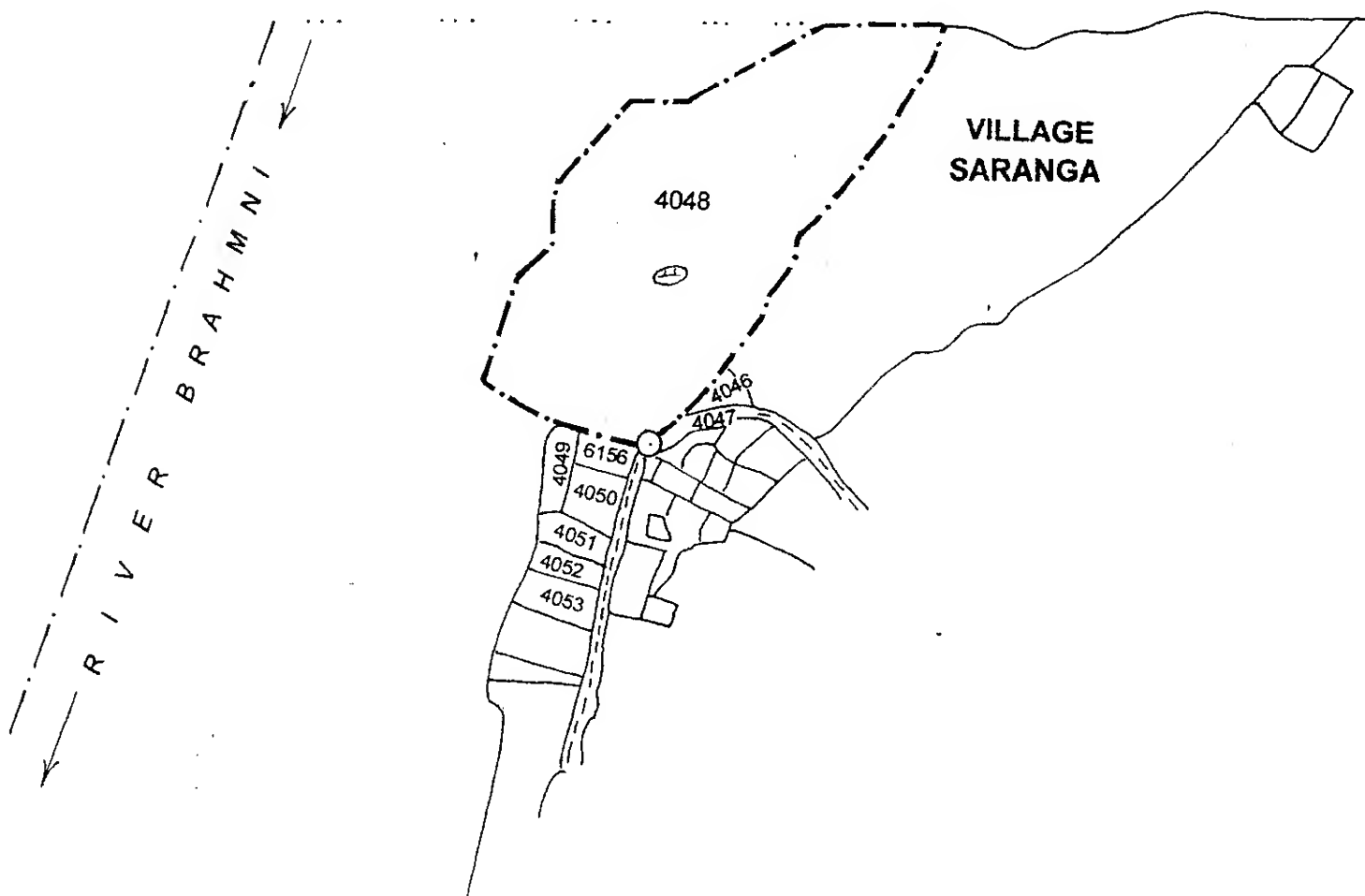
**S.O. 1361(E).**— Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India) number S.O. 215(E) dated the 17<sup>th</sup> February, 2004 published in the Gazette of India Extraordinary, Part II, section 3, sub-section (ii) dated the 17<sup>th</sup> February, 2004, the Central Government gave two months' notice of its intention to declare the ancient monument specified in the Site Plan and the Schedule hereto annexed to the said notification to be of national importance and a copy of the said notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient monument; as required by Sub-Section (i) of Section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958-(24 of 1958);

And whereas, the copies of the said Gazette Notification was made available to the public on the 26<sup>th</sup> February 2004;

And whereas, no objections have been received from the public to the making of such declaration by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(3) of section 4 of the Ancient Monuments And Archaeological Sites And Remains Act, 1958(24 of 1958), the Central Government hereby declares the said ancient monument specified in the Site Plan and the Schedule annexed hereto, to be of national importance.

50 0 50 100 150 METRES



**AREA PROPOSED FOR PROTECTION :** \_\_\_\_\_

## SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of the Monument	Revenue Plot to be declared protected	Area	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Orissa	Dhenkanal	Prajang	Sarang	Ananta Sayi Vishnu	4048 (Khasra - 699)	Ac. 7.09	Government Land (Anabadi)	No Modern Structure Kissan - Pathabani, Part of the plot occasionally submerges.

[ F. No. 2-27/92-M/Pt. V ]

R. C. MISRA, Addl. Director General and Jt. Secy.